

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाबल प्रवेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित शिमला, शनिवार, 4 जुलाई, 1997/13 आवाद, 1909

विषय-सुद्री

भाग । ं वंद्यानिक निय	रों को ≢ः इंकर हिम≀बल प्रदेश के राउश्याल	और हिमाचल परेश हाई कोई द्वारा अधिसूचना	t .
्डत्यादि -		• •	508510 नवा
			516-517
्रिंग 2 विधानिक नियम	बिं और कर विभिन्न विभानी के प्रध्यक्षों भीर ह	जेता पैजिस्ट्रेटी झेटा चित्रपुचनाएं इत्यादि	511
भाग 3 पश्चिमियम, वि डिमाचल प्रदेश	वेसक और विशेषकों वर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, । हाई और, फाइनेप्सियन कमिण्यर तथा कमिण्यर	, वैद्यानिक नियम नवा हिमावन प्रवेश के राज्यपान र भाक रूकम ्टैका द्वारा समि श्वित शा देश श्रन्थादि ,	511-512
· 1		's स्थार डाउन एरिया नवा पंचायनी राज निवान.	1
All a callia calac	शासक न्यूनियानयन बाड, १५.स्ट्रेस्ट बाद, नाहरू	अह बार द्वावन श्रारमा तथा पंचायता राज विमान	312
भाग 5 वैद्यक्तिक अधि	पूचना भीर विज्ञायन		.: 513-516
भाग 6 भारतीय राज्य	त्र इत्यादि में संयुक्त प्रकाशन		
सन्बर्णायां - सन्पुरक	वसूत्र ए	 की वैश्वानिक प्रश्चिम्चनगए तथा ग्रम्य निर्वाचन 	. +
जलाई, 1987/13 प्रापा विजयि की नंक्या		बास विज्ञाप्तियो 'श्रसाधारण राज्यपव, हिमाचल प्रदेश विषय	ं मे प्रकाशित हुई :⊶
	विमागका नाम		
FDS (Bricks) 8 disted 1st May, 1987	Food and Supplies Department	Fixing the rates (inclusive of roy sive of sales-tax) of categorised	
	11	manufactured by brick kiln owne district.	burnt bricks
1-V-6768-6828, dated	Office of the District Magis- trate, Mandi district, Mandi		burnt bricks ers of Bilaspur price of certain
1-V-6768-6828, dated		fixing the maximum retail sale food articles within whole of the	burnt bricks rs of Bilaspur price of certain Mandi district
No. FDS. MND (A)(3) No. FDS. MND (A)(3) No. FDS. MND (A)(4) No. FDS. MND (A)(4) No. FDS. MND (A)(4)	19t trate, Mandi district, Mandi	district. Fixing the maximum retail sale food articles within whole of the for a period of one puotth. Result of 36th Draw of His	h burnt bricks ers of Bilaspur price of certain Mandi district machal Weekly 7.
1-V-6768-6828, dated	trate, Mandi district, Mandi Directorate of State Lotteries	district. Fixing the maximum retail sale food articles within whole of the for a period of one month. Result of 36th Draw of 'Hir Lottery' held at Shimla on 4-6-198'. Result of 55th Draw of "Sup	h burnt bricks ers of Bilaspur price of certain Mandi district machal Weekly cer Himatayan 7.

(507)

हिमाचल प्रदेश उपच-स्याबालय

NOTIFICATION

Shimla-1, the 20th June, 1987

No. HHC GAZ 14-58/75-VII-7394. It is h-reby notified for information of the members of Himachal Prodesh Judeial Service that the 15th Departmental Examination under calle 4 of the Himachal Pradesh, Judicial Service Rules, 1973 will be held at Revenswood' Shimla-1 on the following dates:

Paper Subjects

Time

August 21, 1987 Civil Law (Friday). August 22, 1987 (Saturday). August 23, 1987 (Sunday).

2.00 P.M. to 5.00 P. M. Criminal Law 10.00 A.M. to 1.00 P.M. R -venue -1 2.00 P.M. to 5.00 P. M. Revenue-II 10.00 A.M. to 1.00 P. M. Constitutional Law.

Accounts.

2.00 P.M. 10 5.00 P.M.

10.00 A.M. to 1-00 P. M.

By order R. L. KHURANA.

Registrar.

द्रिमाचल प्रवेश सरकार

बहु शीय परियोजना एवं विद्युत विभाग

विश्वस्वनागं

शिम ता-2, 8 जन, 1987

संख्या विद्यत-छ (5)-90/86---यतः राज्यशाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि व्याम निर्माण बोर्ड, जो कि भूमि धर्मन प्रधिनियम, 1894 (1894 का पहला प्रधिनियम) की बारा 3 क बण्ड (सी०सी०) के प्रयन्तिगत सरकार के स्वामित्व धौर नियन्त्रण के संधीन एक निगम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजितक प्रयोजन नामतः व्यास परियोजना के लिए मौजा पंचेतन, ह0 व 0 नं0 24, तहसील सहर. जिला विलास हर में ज्यास निर्माण बोर्ड (पावर विंग) डैहर-भिवानी लाईन के टावर संख्या 55 के निर्माण के लिए भूमि ली जानी पत्यावस्थक है। सतएव एतदद्वारा यह बोषित किया जाता है कि निम्ततिबिक्त विस्तृत विवरणी में वर्णित भमि उपराक्त प्रयोजन क लिए भपेक्षित है।

- 2. मूमि प्रजेन प्रधिनियम, 1894 की खारा 6 के उपबन्धों के भर्मान सभी सम्बन्धित अपिन्तयों के लिए यह योगणा की जाती है भीर उक्त प्रधितियम की धारा 7 के उपवन्तों के स्रधीन भूमि धर्जन समाहर्ता, व्याम-सन्तज्ज लिक परियोजना ग्रण्डो, हिमाचल प्रदेश को एनद्वारा उक्त माम के प्रबंत के लिए प्रादेश नेते का निदेश दिया जाता है।
- 3. इस के प्रतिरिक्त उक्त प्र'विनियम की ग्राग 17 की उप-धारा(1) हारा प्रदत्त मन्तियों का प्रशेम करते हुए. हिमाचन प्रदेश के राज्यपान, यह निदेश देते हैं कि प्रत्यावश्यक मामना होने के कारण, भूमि प्रर्जन समाहर्ता, व्यास-सन्त्र निक परियोजना, मण्डी, हिमाचन प्रदेश उक्त मधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के मधीन सुचना म प्रकासन में 15 दिन की प्रविध समाप्त होने पर पंचार हैने से पूर्व मूमि का कब्जा ले सकता है।
- 4. मूर्गि का रेनांक, मूर्गि अर्जन गमाहर्वा, ब्याम-सतस्त्र लिंक परियोजना, मण्डी हिमाचन प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जो सकता है।

विवरणी

त्रिमाः विलासपृर		मीनः सदर		
ग्राम	चनग् नं 0	क्षेत क ी0	व विकास	टावर संख्या
पंचेतन इ.0व.0न.0	41/1	0	7	55
किला.	. 1	0	7	

भाग ! - वंधानिक निवर्णों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचन वदेश हार्र कोर्ड द्वारा प्रधिनवनाएं इत्यादि यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेण को यह प्रतीत होता है कि व्याम निर्माण बीडे. जो कि मिम अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा त के खण्ड (सीं 0 मीं 0) के धार्यात्वर्गन सरकार के स्वामित्य प्रीर नियन्त्रज्ञ के घंधीन एक निगम है, के द्वारा अपने स्पय पर मार्वजनिक प्रयोजन नामतः श्रीम सी जानी घत्यावश्यक प्रवेक्षित है। अतएर एनद्वारा यह चोचित किया जाता है कि निस्निनिश्चित विस्तृत विवरणी में वर्णित मूर्मि इस * प्रयोजन के लिए घोडित है।

- 2 अधि बार्जन बिधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपनेन्छों के बबीन सभी मध्वन्धित आक्तियों के लिए यह चोपणा की जाती है बीर उस्त बार्जिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के बधीन मिन समाहती, व्यास-मालज लिक परियोजना, मण्डी, हिमाचल .देश एलद्वारा उक्त माम के मर्गन है लिए मारेण लेने का निदेश दिया जाता है।
- 3 इसके प्रतिरिक्त उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियां का प्रयोग करते हुए, हिमानल प्रदेश के राज्यपाल यह निदेश देते हैं कि मत्यायश्यक मामला होने के कारण भवि धर्जन समाहता, अवस-मतलुज लिक परियोजना, मण्डी हिमाचल प्रदेश, उक्त मधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के प्रधीन सचना के प्रकाशन में 15 दिन की प्रविध मधाप्त है. पर पंचाट वेने से पूर्व अभि का कब्जा ले सकता है।
- 4. भृषि का रेखांक, भृषि मर्जन समाहती, व्यास-सतलुज लिक परिवाजनी, मण्डी, हिषाबन प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

*ब्यास निर्माण बोर्ड (पावर विंग) देहर-भिवानी लाईन के टावर बाबया 52-54 के निर्माण हेन ।

संख्या विद्यत-छ (5)-88/86.

जिला : बिलासपर

विवरणी

मोहाल		खसरा नं0	क्षेत्र (वीo विo)		दावर
1		2	3	4	5
न् बाला		29/1	0	7	
•		3/1	0	7	
		73/1	0	4	
		80/1	0	4	
কি	ला	4	1	2	

*ब्याम निर्माण बोडे (पाचर किंा) 400 के0 बीठ हेहर-चि नाईन के टावर मंख्या 48, 44, 51 के निर्माण हेतु ।

संक्या विद्युत-स्त्र (5)-86/86.

बटोहली

शिमला-2, 8 जन, 1 76/1 55/1 5 56/1 5

159/24/1 4 2

*ब्याम निर्माण कोर्ड (पावर किंग्ड्र) डेह्-भिकानी लाईन के टाव मत्रमा 22-23 के निर्माण हेता।

संख्या विष्तुत-छ (5)84/86.

शिमजा-2, 8 जून, 1987. 0 3 22-23

8

धार-स्टोह 716 80 40 40 112

		राजपत्त,	हिमाचल प्रत	in, 4 7	[नाई, 1987/13 प ा	ायात्र, 19 0 9	50	9
•क्यास निर्माण बोर्ड संख्या 58 व 60 व			लाईन के	टाकर	*जिला मिरमीर में लाईन के निर्माण है	कोदरी संसाजनी तक 220		
(-)	/				नंक्या विद्युत-छ (5)	•		
क्याविष्युत-छ (5)-	89/86.	णिमना-2.	11 ज्न,	1987.			, 5 সুৰ, 198	7.
1	2	3	4	5	निलाः सिरमौर		भीलः पोत्रटा सार् <u>व</u>	हेब
ांड हा	75/1	9	7	58				-
द्व ब ्चं उ. ३३.	61/1	0	8	60	मीजा	वासरा नं0	क्षेत्र दोचा बिस्स	5 1
किना	2	0 1	5		1	2		4
श्याम जिलांग बोर्ड	(mar fam)	ीरर-शिकानी	व्यान्त हे	2787	काहन वाला	18/1	0	2
संख्या 10 के निर्म	णि हेतु।	36 - (44)-)(4134 4	0144		211/149/97/28/		2
						161/86/1 185/44/1	0	2
क्या विद्युत-छ (5)	-85/86.					187/45/1	0	1
থীৰ কাঠী	261/1	शिमला-2, 0 ।	11 जन, 3	1987.		203/64/1	0	2
114 4:101					पका लगढ	232/62/2/1	0	4
व्याम निर्माण बोर्ड			ालाईन की	टावर		78/1	0	2
संख्या 71,72 के	ानभाष इत्।	1				30/1 206/23/1	0	4 2
मंच्या विद्युत-छ (5)	-93/86.					200/23/1		
• - (-)		शिमना-2	, ११ जून,	1987.	हरियुर	78/1	0	2
मैक <i>न</i> ी	321/5/1		5	71	रोहना	223/160/1 146/1	0	5 2
	324/1	0	2	72		198/131/1	0	4
	237/1 238/1	0	8			109/1	0	2
	200/1				मुन्गर नी	82/1	0	4
किता.	4	0 1	6			363/205/112/1 219/6/1	. 0	2
A144.	•					219/0/1		
संदेतिर्माण बोर संदेता 56, 57	र्ट(पावर विग के निर्माण हेलु	i) डैहर-भिव ।	ानी लाईन	केटावर	ग्रमर कोट	64/1 65/1	0	1 2
संस्था बिद्यत-छ (5)	-87/86.				गौंदपुर	83/2/1	0	3
, ,		निमना-2	, 11 जून	, 1987.		84/1	б	ŧ
হলবা ত	41/1	0	8	56		71/1	0	2
ह0 बंध नं 0 38.	85/1	U	8	57		46/1 136'109/42/1	0	2
किता.	2	9	16			15/1	0	4
PROTE .	. 4		16			3/1	0	4
यतः राज्यपाल,						53/1	0	2
प्रदेश राज्य निचुत (1894 का पहला						123/43/1	0	2
के प्रथन्तिगत सरक								-
निगम है, के द्वारा	प्र पने व्यय पर	सार्वजनिक :	प्रयोजन नाः	नतः* हेत्	्याय कुवा	203/145/4/1 20/1	0	
भूमि म्रजित करना						20)		
यह प्रधिमुक्ति कि विवरणी में निविष्ट					वववाला	313/1	0	2
का अर्जन भरेशित				. , , ,	त्रामनी वाला	30 2/1 30 1/1	0	
			A			257/1	0	:
2. यह प्रधिसूव हो ्रुक्ते हैं, की ज की का 4 के उप						11/1	0	-
का शा 4 के उप	बन्धी के भन्ती	गत जाशाकी	जाता है	1				
3. पूर्वोक्त धा						128/1	0	:
राज्यपाल, हिमाबल	प्रदेश, इस स	मय इस उपत्र	म में कार्य	रत सभी		104/1	0	
प्रधिकारियों, उनके मूमि में प्रवेश करने						103/1	0	
भाषना भागमत स						135/3/1	· 0	2
देते हैं।				,	टोका नगला	116/1	0	:
4 172000000	Brander A	क्रिक के -		TAR VIE		118/1 83 ¹ 2/1	0	2
4. प्रत्याधिक । हिमाचल प्रदेश उन	ल प्रधिनियम ।	की घारा 17	की उप-ध	ारा (4)		90/1	0	
के प्रधीन यह भी 5-ए के उपबन्ध	ानदश वर्त है इस मामले में	ाक उपता लागू मही ह	षाधानयम विशे ।	काश्वार	ं ओड़ कुल कि	ला 45	5	14
•								

श्री विकास 171002, स जून 1897		क 220 के0 बीछ संबरण नाईन		~ 3	किया गया है, उपरोक्त	त्रेक्ष में जैसाकि निम्न (प्रयोजन के लिए भूमि	का धर्मन	Ħ,
1 2 3 4 को आसा 4 के उपबन्धों के स्वामांत आर्थ की जाती है।	सक्या (बच्नन-छ (5)- 5	ंश्र7 विमना-171002,	स्यानः	1937	है। 2. वह धश्रिमूचन	। ऐसे सभी श्रामितयों का	, जो इसन	मुद्
सहिरो सानती 34/1 9 5 5 1 15 1 15 1 15 1 1	1	2	3	4	की धारा 4 के उपबन्ध	कि प्रस्तर्गत जादीकी जा	ती है।	
15'1 0 2 15'1 0 2 15'1 0 3 15'1 0 4 15'1 150'90 1 0 2 150'90 1 0 2 150'90 1 0 2 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 150'80 1 0 0 0 150'80 1 0 0 0 150'80 1 0 0 0 0 0 0 0 0 0		34/1	0	5	3 पूर्वोक्तभाग ड संस्कृते राज्यपन्त सम	राधदत्त्व शक्तियांका प्रयोग समय इस उपक्रम में का	करते हुए. यह सभी	(g) ori
क्षेत्र वर्षेत्र (शेक्ष) 150/90,1 0 2 150/90,1 0 2 150/90,1 0 2 150/90,1 0 2 150/90,1 0 2 1 150/90,1 0 2 1 150/90,1 0 2 1 150/90,1 0 2 1 150/90,1 0 2 150/90,1 0 1 150/9	माकरा नाजरा	15' t						
संबर सर्वेत (वीकर) 150/90/1 81/1 165/92/1 165/92/1 161/86/1		5/1	0	4	मांग में प्रवेश करने भी	र सब्देशण करने घोर उस	भारा क्षारा	q,
131/90/1 0 1 4 कोई सी ऐसा द्विष्ण क्यां कर परिलेस में 165/82/1 0 1 165/82/1 0 1 165/82/1 0 1 165/82/1 0 1 165/82/1 0 1 165/82/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 161/86/1 0 2 1 2 3 3 3 3 3 3 3 3 3	· _ • /->-	180/90 1		2		यो कार्यों को क ^र न क ि स	त्तं महत्तं स	Ti
1.55 82 1 0 1 4 काट सामझा हिन्द आपका, विशे के प्राचित्र 1080 1 108	गांकर घडन (गाजर)						-0-3-	
16374/ 0 2 6 16166/1 0 2 16166/1 0 2 16166/1 0 2 16166/1 0 2 16166/1 0 2 1616/1 0 1 1616/1 0			O	1	4 कोई भी एसा है	रुवञ्च क्यांक्त, जिस जेक्न र कार्क सार्याक => १९१	पारकाल स्	i Sara
161/166/1 0 2 ये प्र सक्तेन समाहती प्रश्न प्रस्ता नियान के मानता सार्वी प्रश्न रहा निर्माण के मानता सार्वी प्रश्न रहाय निर्माण के स्वर्ण प्रश्न प्रश्न के स्वर्ण प्रश्न रहाय निर्माण का स्वर्ण प्रश्न के स्वर्ण प्रश्न रहाय निरम्लाण का स्वर्ण प्रश्न के स्वर्ण प्रश्न के स्वर्ण प्रश्न रहाय निरम्लाण का स्वर्ण प्रश्न रहाय निरमण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण प्रश्न रहाय निरमण का स्वर्ण रहाय का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण रहाय का स्वर्ण रहाय का स्वर्ण रहाय का स्वर्ण का स्वर्ण रहाय का स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण का स्वर्ण रहाय निरमण का स्वर्ण का					के प्रकाशित होने के 3	0 दिना की प्रकाश के	रीतर निर्म	14
145/5 0 2 राष्ट्र दिला जिसना के सबस धार्तीय पाति स्थार कर सकत 43/21) 0 2 तिला जिसना के सबस धार्तीय पाति स्थार कर सकत 43/21) 0 2 तिला जिसना जिस्तीय			-		मे भ धर्जन समाहर्ला उ	प-मण्डलाधिकारी (सिविल) शेहडू, उ	4-
143/5% 0 4					राष्ट्रकः, बिला भिमला ब		पा का सब	1
सर्गत 141/109/1 0 2 गांव प्यनस नं 0 देखा 141/109/2 0 2 1 2 3 3 141/109/2 0 2 1 2 3 3 3 3 3 4 1 3 3 3 4 1 3 3 3 4 4 3 3 3 4 4		145/59/1				विष्युत विवरण		
सर्वत					त्रिया निमना		तहसालः	- 1
प्राप्त)		143/113/1	U	•				,
विकास 141/108/2 0 2 1 2 3 1 105/99/1 0 5 5 5 5 5 1 105/99/1 0 5 5 5 5 1 105/99/1 0 5 5 5 5 1 105/99/1 0 2 4188/403 1 5 5 5 5 1 0 2 424 1 1 1 1 1 1 1 1 1		141/169/1			गांच	खमरानं॥	_	
105/99/1 0 5 कवाम् 400/1 0 1 3335/416 0 1 714/1 0 2 4188/403 1 565/1 0 2 424 1 422 0 424 1 516/1 0 4 4187/403 0 1 515/7,480/1 0 2 427 0 1 515/7,480/1 0 2 427 0 1 515/7,480/1 0 2 427 0 1 515/7,480/1 0 2 427 0 1 629/1 0 2 427 0 1 629/1 0 2 427 0 1 629/1 0 2 427 0 1 629/1 0 2 427 0 1 629/1 0 1 628	च दन)					2	3	
मतानी (बेहरण्यामा) 7081 0 4 4188/403 1 714/1 0 2 424 1 565/1 0 2 422 0 424 1 427 0 516/1 0 4 4187/403 0 1517,480/1 0 2 425 1 829/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 1 421 0 268/1 0 1 421 0 282/1 0 1 426 6 6 1565/1483/1193/1 0 4 409 0 1565/18/1 0 2 410 0 0 1562/18/1 0 1 426 6 6 1562/18/1 0 1 412 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 3 420 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 5 414 31 1 11 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			_					
निर्माण क्रिक्ट वाला है जिस्सा कर्मण कर्					क्षाम्		-	
565/1 0 2 422 0 187/403 0 1817/480/1 0 2 427 0 1817/480/1 0 2 425 1 1817/403 0 1 1817/480/1 0 2 425 1 424 1 1 1 1 1 1 1 1 1	भगानी (सहस्रवाला)	708 1						
भगानी) 533/1 0 2 427 0 516/1 0 4 187/403 0 1517/480/1 0 2 425 1 829/1 0 2 404 1 825 1 829/1 0 2 404 1 824 1 1 824 1 1 824 1 1 825/1 0 2 401 1 1 125/323/1 0 4 402 1 1 125/323/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 6 8 828/1 0 1 426 0 1 1563/18/1 0 2 410 0 0 1563/18/1 0 2 410 0 0 1562/18/1 0 1 412 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 0 3 420 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 0 4 429 0 0 322/1 0 0 4 429 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0			-					
516/1 0 4 4187/403 0 1517/480/1 0 2 425 1 1617/480/1 0 2 425 1 1617/480/1 0 2 424 1 174 174 174 174 174 174 174 174 174								
1517, 480/1 0 2 425 1 1 829/1 0 2 404 1 829/1 0 2 404 1 1 424 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	भगानी)			_				
829)1 0 2 404 1 1 424 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1								
(नचंपुरा) 357/1 0 2 427 0 316/1 0 2 427 0 316/1 0 2 401 1 1 1 1 1 1 1 1 1 2 5/323/1 0 4 402 1 1 2 68/1 0 1 426 6 6 1 661/1483/1193/1 0 4 409 0 1 1 563 18/1 0 2 410 0 1 1 563 18/1 0 2 410 0 1 1 563 18/1 0 2 410 0 0 1 1 562 18/1 0 1 412 1 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 3 420 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 4 429 0 4 429 0 0 4 429								
316 1							1	
1128/323/1 0 4 402 1 268/1 0 1 426 6 6 6 1661/1483/1193/1 0 4 409 0 1563*18/1 0 2 410 0 1563*18/1 0 2 410 0 1563*18/1 0 1 412 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 3 420 0 322/1 0 4 429 0 322/1 0 4 429 0 322/1 0 5 431 1 104/40/1 0 5 414 3 104/40/1 0 5 414 3 104/40/1 0 5 414 3 162/1 0 1 414 3 164/1 0 4 4393/419 0 164/1 0 4 4395/423 1 164/1 0 4 4395/423 1 164/1 0 4 4395/423 1 164/1 0 4 4395/423 0	निश्चंपुरा)							
268/1 0 1 421 0 282/1 0 1 426 6 1661/1483/1193/1 0 4 409 0 1563'18/1 0 2 410 0 1562'18/1 0 1 412 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 3 420 0 322/1 0 4 429 0 322/1 0 4 429 0 322/1 0 5 411 1 104/40/1 0 5 411 1 104/40/1 0 5 411 1 104/40/1 0 5 415 0 1777 239/168/1 0 5 4393/419 0 162/1 0 1 4395/423 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 17878 6777 4788 0 187								
282 ¹ 426 6 1681/1483/1193 ¹ 0 1 426 6 1681/1483/1193 ¹ 0 4 409 0 0 1562/18/1 0 2 410 0 0 1562/18/1 0 1 412 1 310 ¹ 0 1 413 1 311 ¹ 0 3 420 0 0 322/1 0 4 429 0 431 1 1 1 1 1 1 1 1 1			-	_				
1661/1483/1193/1 0 4 409 0 1 1563'18/1 0 2 410 0 0 1 1563'18/1 0 1 412 1 1 310/1 0 1 412 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 3 420 0 0 322/1 0 4 429 0 429 0 429 0 429 0 431 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			_	_				
1562 18/1 0 1 412 1 310/1 0 1 413 1 311/1 0 3 420 0 322/1 0 4 429 0 322/1 0 4 431 1 For 184/27/6/1 0 5 411 1 104/40/1 0 5 415 0 1077 239/168/1 0 5 4393/419 0 162//1 0 1 4395/423 1 164/1 0 4 4399/322 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4399/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 4 4398/32 1 164/1 0 5 11 405 2 1678 1 400 2 2 1678 1 678 1 7 8 8 8 8 1 168 1 400/43 2 2 178 1 8 8 1 1 8 8 0 1 1 8 8 1 1 8			0	4				
310/1 0 1 413 1 1 311/1 0 3 420 0 0 322/1 0 4 429 0 4 429 0 4 431 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			-,	-			-	
31 1/1 0 3 420 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 4 429 0 0 322/1 0 4 429 0 0 311 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			-	-			•	
322/1 0 4 429 0 431 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1				_				
प्रता 18.4/27/6/1 0 5 411 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			-	_			_	
104 40/1 0 5 414 3 415 0 415 0 415 0 415 0 415 0 415 0 415 0 415 0 415 0 415 0 415 162//1 0 1 4395/423 1 164//1 0 1 4397/428 0 4399/432 1 4398/432 1 4398/432 1 4398/432 1 4398/432 1 4398/428 0 405 2 405							-	
पान 239/168/1 U 5 4393/419 0 162//1 0 1 4395/423 1 164//1 0 4 4395/428 U 4399/428 U 4399/428 U 4399/432 1 164//1 5 11 4356/426 U 405 2 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	रमेर		0	5				
पाल 239/168/1 U 5 4393/419 0 162//1 0 1 4395/423 1 164//1 0 4 4397/428 0 4399/432 1 164//1 0 4 4399/432 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		104'40/3	D	5				
162//1 0 1 4395/423 1 164/1 0 4 4397/428 0 164/1 0 4 4397/428 0 4397/428 0 4397/428 0 4397/428 0 4397/428 0 4397/428 0 4397/428 0 4397/428 0 405 2 7 167/1	गरन	239/168/1						
164/1 0 4 3397/428 0 4399/432 1 1 4399/432 1 1 4399/432 1 1 4399/432 1 1 4358/428 0 405 2 1 408 2 2 1 408 2 2 1 1 408 2 2 1 1 408 2 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1						4395/423		
हुल दिला . 41 5 11 4336/428 0 405 2				-				
भावेश हारा, 405 2 408 2	F# C							
सार्वेग हारा, 408 2 कैनाश चन्द्र सहादन, 4394/419 0 सर्विव 4396/423 0 सर्विव 4400/432 2 शिका विशाग 418 0 धोधमूबना 4398/428 1 घोधमूबना 430 1 गिसना-2, 19 सई, 1987 4522/4377/384 0 स्व क (1)-2/85-शिका-सवन: सन्धवान, हिमाचन प्रदेश को किना 39 48 प्रतीन हाता है कि द्विधाचन प्रदेश सन्कार हाना सन्धानी व्यव	कुलावला	41	5	11			_	
कैताण चन्द्र महाजन, 4394/419 0 सचित्र । 4396/423 U 4400/432 2 finon विभाग 418 U 11474रना 4398/428 1 11471-1271-1371-1371-1371-1371-1371-1371-13		श्र	देश द्वार	7.	•			*
्रिका विभाग 4400/432 2 श्रीधमुचना 4398/428 1 श्रीधमुचना 4398/428 1 श्रीधमुचना 430 1 श्रीचमा-2, 19 सई, 1987 4522/4377/384 0 स्व क (1)-2/85-शिका-स.—-वन: स⊁स्वान प्रदेश को किना 39 48 प्रतीत होता है कि हिसाचल प्रदेश समकार डारा सम्कारी ब्याय			स्य महा	रन,				
शिक्षा विश्वाग 418 U श्रीधमूचना 4398/428 I श्रीधमूचना 430 I श्रीमान-2, 19 मई, 1987 4522/4377/384 D स0 क(1)-2/85-शिक्षा-म.—-वान: रा-ध्यान, हिमाचल प्रदेश को किना 39 48 प्रतीत हता। है कि दिमाचल प्रदेश सारकार द्वारा सन्कारी ब्यार			सर्	चेत्र ।				
प्रीधमूचना 4398/428 430 4		Smar fewer-						
प्रियला-2, 19 सई, 1987 430 1 प्राथला-2, 19 सई, 1987 4522/4377/384 0 स 0 रू(1)-2/85-फिला-ग,—यन: सन्धान, हिवाबल प्रदेश को किला 39 48 प्रतीत होता है कि हिमाबल प्रदेश सम्कार बारा गरकारी ब्यार सार्वजिक प्रयासन नामता संक्रकार स्वर्थक सम्बद्ध							1	
म 0 क(1)-2/85-शिक्षा-स.—यनः राज्ययान, हिमाचल प्रदेश को किना . 39 48 प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश भरकार द्वारा भरकारी व्यय मार्वजनिक प्रयोजन नामल गांव कर्मार स्वरूपिक प्रस्तुत (प्रस्तुत	form					430	-	
अतात हाता है कि हिमाचेल प्रदेश भरकार द्वारा भरकारी व्यय सार्वजनिक प्रयोजन नामनः यांच कथास नवसील वस्तात						4522/4377/384	Ð	
भावभागवः प्रयासनं साम्रतः साम् असास सम्मान अस्तास अस्तास (भावभा	म 0 क (1)-2/85-शिक्ष प्रतीत होता है कि कि	ग-गः—–यतः सञ्चयान, हिमान सामस्य प्रदेशः सरकारः राज्य	ल प्रदेश	को	किया .	. 39	48	_
TIENT GIFT.	. भावजानमः प्रयाहतः ह	प्रमुख: गांव कर्रगारा नक्क्येय :	Tana (-			CTT# 00 #100	,

भाग ?--वैद्यानिक नियमों को छोड कर विभिन्न विभागों के सम्बन्धों और जिला मैजिस्ट्रेटों हारा व्यथिमुक्ताएं इत्यादि

कार्यालय अय-पंजीयक सहकारी समायें (केन्द्रीय)

कार्यालय पावेश

मण्डी, 12 जन, 1987

संख्या द 0 प 0 के 0 4-1/80-1 069-75, -- क्योंकि दी सन्दरनार तहसील सहकारी विषयन एवं उपमानना संघ सीमिन सुन्दरनगर की इस कार्यालय के घाटेश जमांक मंग्या 251-259, दिनाक 8 4-1980 के बान्तर्यंत उपन संघ की विरनी हुई वाचिक बना को देखते हुये हिमाबर प्रदेश गहकारी याधानयम की धारा 78 के प्रधीन विचटन में रुखा वा : और बाद प्राधिक दशा में सुधार में प्रगती न जान के कारण पुन इस का विचटन कार्यकाल इस कार्यालय के बादेश कर्माक 30 प0 के0 4-1/85-1138-40, दिनांक 14 प्रगरन, 1985 के दारा को वर्ष की धवधि के लिए जारी रखने का बार्रण दिया गया था जिस

की सब पुनः विषयक के द्वारा भेजी गई रिपार्ट का सबलाकन करने पर पास गयाकि सभा के विषटन कार्य की पूर्ण करने तथा बैक की ऋण की भदायगी जो वसुनीयों पर निर्भर कर रही है में कुछ भीर समय लगने की सम्भावना है।

बन. में, टीं वेति ठाकूर, उप-पंत्रीयक महकारी समाये (कंन्द्रीय) नवहल मण्डी, हिए प्रथ सहकारी नियम 1971 के करूप 117 के बन्तर्गत निहित सक्तियों का प्रयोग करते हुए दी मृत्यर नगर तहसील महकारी विषयन तथा उपनोक्ता सब के विषटन की प्रविध की 31-12-1987 तक बदाने का घारण देता हूं तथा यह भी घादण रता है कि विषटक इस संघ को गीध पनजीतिन करने हत गीध ठोस

> टी करिक ठाकर उप-राजीयक महकारी सभावें (केन्द्रीय). मण्डल मण्डी, डिठ प्रता

भाग १---अधिनियम, विधेयक और विश्वेयकों पर प्रवर समिति को प्रतिवंदन, वैधानिक नियम तका हिमाजल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोट, फाइनेन्शियल कामक्तर तथा कमिश्तर आफ इन्कम टंक्स द्वारा ग्राधिकांकत प्रादेश इत्यादि

सहस्राणिता विभाग

ग्रधिम बना

बिनला-2, 20 मई, 1987

संबंधा कोप्रत ई (11) 21/74-IV --- हिमाचन प्रदेश के राज्यपाल. हिमाचल प्रदेश कोमार्थिटन सामार्टरीज गेक्ट, 1968 (1969 का 3) की धारा 109 द्वारा प्रदल मानितयों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश कामाप्रेटिव सोमाइटीज रूटज, 1971 में निम्नलियित संबोधन करने का प्रस्ताव करते हैं भौर ये उक्त प्रधिनियम की धारा 109 की उप-धारा (1) के मधीन यथा अपेक्षित जन-लाधारण एवं उन मभी व्यक्तियां की जायकारी के लिए प्रकाशित किये जाते हैं जिन को उन से प्रभावित होने की मध्याबना है। इसके द्वारा सचना दी बाती है कि उक्त संशोधन प्रारूप पर इस अधिसुवना के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की शारील से तीम दिन की ग्रवधि की समाप्ति पर सम्बक अप से विचार किया जायेगा ।

ब्राक्षेप/सुमाव यदि कोई हों, सचिव (महकारिता), हिमाधल प्रदेश सरकार को भीजे जा सकते हैं। इस प्रकार विनिदिष्ट ग्रवधि की समाध्ति से पूर्व, उक्त संगोधन प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप/सजाब किसी व्यक्ति में प्राप्त होते. राज्य सरकार प्रारूप की ग्रान्तिम रूप देने में उन पर दिखार करेगी ।

1. Short title and commencement. -1. These rules may be called the Himachal Pradesh Co-operative Societies (Amendment) Rules, 1987.

(2) These shall come into force at once.

- 2. Amendment of rule 38. For the existing sub-rule (3) of rule 38 of the Himachal Pradesh Co-operative Socie-Societies Rules, 1971, the following sub-rule (3) shall be substituted, namely:-
- "(3) The term of the managing committees constituted under sub-rule (1) shall be
 - (a) in relation to primary societies .. 2 years;
- (b) in relation to secondary societies ... 3 years; and (c) in relation to apex societies .. 4 years:

povided that the out-going managing committee shall, untess the State Government otherwise directs, continue to function till another managing committee is constituted under these rules:

Provided further that no person shall be eligible to hold office of President or Vice-President or elected Member of the managing committee continuously for more than two terms, unless a period of two years has elapsed after the expiry of the term of the managing committee in which he last held office of President or Vice-President or elected member".

Athoritative English text of Government notification No. Co-op. E(11)21/74-IV, dated 20-5-87, is hereby publi-shed as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.

CO-OPERATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimlu-2, the 20th May, 1987

No. CO-OP-E(11)21/74-IV .- In exercise of the powers conferred by section 109 of the Himachal Pradesh Cooperative Societies Act. 1968 (Act. No. 3 of 1969) the Governor, Himachal Pradesh proposes to make the following amendments in the Himachal Pradesh Cooprative Societies Rules, 1971 and the same are hereby published for information of general public and of persons likely to be affected thereby, as required by sub-section (1) of section 109 of the said Act. The notice is hereby given that the said draft amendments will be taken into consideration, on the expiry of thirty days from its publication in the Rajpatra. Himsehal Pradesh.

The objections/suggestions, if any, may be addressed to the Secretary (Co-operation) to the Government of Himachai Pradesh, Shimla-171002. Any objections/suggestions, which may be received from any person, with respect to the said amandments before the expiry of the period specified above, shall be duly considered by the State Government.

- Short title and commencement. -(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Co-operative Societies (Amendment) Rules, 1987.
 - 2. These shall come into force at once.
- Amendment of rule 38. For the existing sub-rule (3) of rule 38 of the Himachal Pradesh Co-operative societies Rules, 1971, the following sub-rule (3) shall be substituted, namely:

'(3) The term of the managing committees constituted

under sub-rule (1) shall be-

(a) in relation to primary societies ... 2 years;

(b) in relation to secondary societies .. 3 years; and

(c) in relation to secondary societies Provided that the out-going managing committee shall, unless the State Government otherwise directs, continue to function till another managing committee is constitu-

ted under these rules: Provided further that no person shall be eligible to hold office of President or Vice-President or elected Member

of the managing committee continuously for more than two terms, unless a period of two years has elapsed after the expiry of the term of the managing committee in which he last held office of President or Vice-President or elected member."

By order, S. S. SIDHU Secretary. किचा विभाग

वश्चित्र चना

शिवारा-171002. 18 मारेन, 1987

संबंधा ज (त)-15 84 जिल्ला-क —हियाचन प्रदेश के राज्यपात, भारत के मंतिबान के मन्ष्त्रेद 30% के परल्यूक द्वारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुये, और हिमाचम प्रदेश लोक सेता धायोग के वरावर्ग में, हिवाचल प्रदेश शिक्षा वर्ग-3 (कालेज केटर तेवा नियम. 1973) में सौर माने संबोधन करने इत निम्मणिवित विषय बनाते है सर्वात:---

- 1. Stort title and commencement.-(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service (First Amendment) Ruiss, 1987.
- (2) These frules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.
- Amendment of Annexure.- For entries in columns 7, 8, 10, 11 and 12 against serial No. 7 relating to the post of Junior Lecturer Assistant/Laboratory Assistant, in Annexure to the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service Rules, 1973, the following entries columns 7, 8, 10, 11 & 12 respectively shall be substituted, namely:-

Column 7: Essential: 10+2 or its equivalent

from a recognised Board University with Science in Matriculation.

Column 8: Column 10:

50% by promotion and 50% by direct recruitment.

No

Column 11:

50% by promotion from amongat Laboratory attendants having passed Matriculation in Science with five years service (including ad hoc service rendered up to 31-21-1983) in the grade.

Column 12:

As may be constituted by the Government from time to time.

> मादंश द्वारा, हस्ताकाण्य/-वितायक्त ।

भाग 4 स्वानीय स्वायत शासकः म्युनिसियल बोडं, डिस्ट्रिक्ट डोर्ड, नोटिफाइड और डाउन एरिया तथा पंचायती राज विष् PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 18th June, 1987

No. PCH-HP (2)-1/83. -Note No. 1 under Rule (Annexure-I) of the Recruitment and Promotion Rules for the post of District Audit Officer, Instructor, Editorcum-Panchayat Information Officer, Driver and Machine Operator issued vide this Department Notification of even number, dated the 28th February, 1987 shall be substituted with the following:

The crucial date for determining the age limit should be the first day of the year in which the posts are advertised for inviting applications or notified to [Authoritative English text of this Government notification No. Rha (6) 15/84-Shiksha-Ka, dated 18-4-87 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India.

EDUCATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-2, the 18th April, 1987

No. Kha (6)-15/84-Shiksha-Ka .- In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, the Governor, Himschal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service Rules, 1973. namely:--

- Short title and commencement.—(1) These may be called the Himschal Pradesh Education Class 111 (College Cadre) Service (First Amendment) Rules, 1987.
- (2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra. Himachai Pradesh.
- Amendment of Annexare. .. For entries in columns 7, 8, 10, 11 and 12 against serial No. 7 relating to the post of Junior Lecturer Assistant/Laboratory Assistant, in Annexure to the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service Rules, 1973, the following entries columns 7, 8, 10, 11 & 12 respectively shall be substituted, namely:-

10+2or its a recognised Board/ University with Matriculation.

Column 8: No

Column 7: Essential

Colume 10: 50% by promotion and 50% by direct recruitment.

Column 11: 50% by promotion from amongst Laboratory, Attendants having passed Matriculation in Science with five years service (including ad hoc service rendered upto 31-12-1983) in

Column 12: As may be constituted by the Government from time to time.

the grade.

By order, Sd/-

equivalent

Science in

Financial Commissioner

Employment Exchanges as the case may be."

The following shall be inserted after "consultation" (5th line of Rule-17) of the Recruitment and Promotion Rules, for the post of District Audit Officer, Instructor, Editor-cum-Panchayat Information Officer, Driver and Machine Operator issued vide notification of even number, dated the 28th February, 1987:-

"with the H. P. Public Service Commission relax any of the provisions of these rules."

> By order, Sd/-Secretary.

जाग ५--वैपक्तिक प्रधिसंचनाएं और विज्ञापन

In the Court of Shri M. R. Chauhan, Senior Sab-Judge excercising the powers of District Judge under Indian Succession Act, District Kinnaur at Kalpa

Parveen Chand s,o Bhim Sain, t/o Village Ribba, Tehsil Moorang, District Kinnaur, H. P. . Petitioner.

Vergus

General public

.. Respondent.

Petition u/s 372 of Indian Succession Act, 1925

General public.

Whereas the petitioner above named has filed an application for the grant of Succession Certificate in respect of the estate of his father late Shri Bhim Sain.

Notice is hereby given to the general public and the next of the kins of deceased. Bhim Sain inviting objections, if any, from them to be filed in the court on or before 9-7-87 at 10 A. M. failing which the petition shall be heard and decided ex parte.

Given under my hand and seal of the court this 11th day of June, 1987.

Seal

2:

Fo

M. R. CHAUHAN. Senior Sub-Judge. Kinnaur district at Kalpa.

HIMACHAL PRADESH FINANCIAL CORPORATION NEW HIMRUS BUILDING, CIRCULAR ROAD.

SHIMI.A-171001 NOTIFICATION

Shimla-1, the 11th May, 1987

No. HPFC/2-139/87-VI.—It is hereby notified for information of the shareholders of this Corporation that in the 14th Special General Meeting of the Corporation held at Shimla on Monday, the 11th May, 1987, the following election took place-

Shri Jagdish Ram Thakua, Director, The Kangra Central Co-operative Bank Ltd., r/o Gagret, Tehsil Amb, District Una was elected as Director on the Board of this Corporation to represent Co-operative Banks who are Shareholders of the Corporation in terms of section 10s of the State Financial Corporations Act, 1951.

K. K. JOSHEE. Secretary.

व धदालत थी हरि सिंह, धायुक्त, शिमला मण्डल, शिमला

मुकर्मा रैवेग्य धपील नम्बर 28/87

म ६ शताबती बेवा गंगा राम, जात राजपत, मकना धमरोधा, परगना गहरबी तहसील बुमारवी, जिला बिखासपुर . बादी ।

बनाम

राम साल, देस राज पिसरान गौबिन्द राम, जात राजपून, शकना समरोसा, परगना वेहव्यी, तहसील युमारवी, जिला विशासपुर ्रप्रतिवादी । रेबेन्यु रिवजन जेर धारा 17 हि0 प्र0 भू-राजस्य मधिनियम विनद्ध

पारेल, बिनाक 14-10-1988, ए० कुसैश्टर, सब-विवीजन बुधारवी, जिला बिलासपूर, हिमाचल प्रवेश ।

उपरोक्त मुकरुमा में प्रतिवादी वंध 1 भी राम लाल पुत्र भी गोबिन्द रामः निवासी धमरोधा, परगना गेहुव्बी, तहसील युगारवी,

प्रनः भदालन को पूर्ण विक्वास हो कुका है कि उक्त प्रतिबादी साक्षारण तरीके में हाजिए करवामा कठिन है। मतः इस इस्तद्दार जेर घाडेर 5, कल 20, मीठ पीठ बीठ कं ग्रन्तर्गत प्रतिकाकी को सुचित किया जाता है कि वह उक्त स्कट्मा में सारीच 10 जुलाई, 1987 को प्रातः 10 नमें स्थान धमारवी में प्रमाननन यो बकानतन या घन्य प्रधिकृत स्थानन द्वारा शांतिर पांच धन्यया नार्यवाही यकतरका धमन में मार्ड जावेशी धीर हकत प्रकटने का निर्णय किया जावेगा ।

जिला विलासपुर, क्षि प्र को समन भने गए वे परन्तु समन

बार-बार प्रदम नामील वापित था जाते हैं जिसमें यह स्वरूट प्रदीत

होता है कि उक्त प्रतीवादी समन लेने से जानका कर ग्रांना रानी कर रहा है।

में नारी हका।

मोहर ।

प्रायक्त । बंद्रदालन जनाब भी लक्ष्मी दत्त, नायब-नहमीलदार व चंद्रश्यागन

धात दिनोक 17-8-1987 को सेरे तस्नाचार व मोहर घटालन

मब-रिजस्टार, हशीरपर मकदमा नं 0 6 भाक 26-3-87

थाँ रणबीर सिंह पुत्र स्व 0 मसाल सिंह, बासी प्रणुकता, तथ्या बजुरी. तहसील व जिला हजीरपुर . सायन ।

बनाब

धाम जनना

. मनलग्रसहर ।

इरि मिट

दरकवास्त खेर धारा 40/41 बराये तस्त्रीक करने बनीयत नामा मतदफी श्रीमती हान देवी बंबा क्याल सिंह पूज राम सिंह, वासी ग्रणकला, तथ्या बन्दी, तहसील व जिला हमीरपुर । बसीयत नामा दिनांक 2-11-1986

नोटिम बनाम : ग्राम जनता ।

क्ष्यरोक्त विषय पर भाम जनता को वजरिया दश्तहार राजाब, हिमावल प्रदेश से सूचित किया जाता है कि सगर किसी को उपरोक्त वसीयत नामा को और बारा 40/41 भारतीय रजिस्ट्रेशन ऐक्ट के तहत रिवस्टर करने में कोई उजर हो ती घदानत हजा में दिनांक 10-7-87 को सुबह 10 बजे प्रसानतन या वकालतन हाजर पावें । बसुरत दीगर कार्यवाही धमल में बाई जावेगी ।

काज विनाक 11-6-87 की हमारे इस्ताक्षण व मोहर घटालत मे बारी हुमा ।

धारक सामता

मोहर ।

नश्मीदले. सम-रजिस्थार धमीरपूर।

नभदालत जनाव भी लक्ष्मी दल, नायब-तहसीमदार व सक्त्यारात

सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर मक्रवा ने 11 बाक 14-5-87

त्रीमती सागरा देवी बेबा दीना नाथ, वासी कुठेबा, तप्पा कुठेबा. .. मायला । तहसील व जिला हमीरपुर

बनाम

, . मसूल प्रमहिष ।

बरक्वास्त जेर धारा 40/41 बराए तस्त्रीक करने वसीयत नामा दिनांक 15-3-87 मृतवकी भी दीना नाय पुत्र सन्त राम, बाबी कुठेड़ा, तप्या बुठेड़ा, तहसील व जिला हमीरपुर ।

नोहिस बनाम . बाब जनता

उपरोक्त विकास पर साम जनता को बनिरसा इश्लिहार राजपत, हिमाचन प्रदेश से सूचित किया जाता है कि सगर किसी को उपरोक्त सनीयतनामा को रिजिट्ड करने में कोई उजर/एतराज हो तो सवानत हवा में शिनाक 10-7-87 को सुबह 10 बजे सनातनन मा क्वासतन हाजर मार्थ । क्यून्त शीमर कार्यवाही सगल में नाई जावेगी।

माज दिनांक 11-6-87 को हमारे हम्ताक्षर व मोहर घंदालत से चारी हमा !

मोहर ।

लक्ष्मी दत्त, मब-रजिस्ट्रार. इमीरपर ।

PROCLAMATION UNDER ORDER 5 RULE 20, C.P.C.

In the Court of Shri P. C. Sharma, Sub-Judge Ist Class, Rampur Bushabr, District Shimla, H. P.

Civil Suit No. 119-1 of 1986

Versus

Shri Goverdhan Dass a'o Shri Bishan Dass, r'o village Sanarsa, Tehsil Rampur Bsr. District Shimla, H. P. . Defendant.

Suit for Declaration

To

Shri Goverdhan Dass s/o Shri Bishan Dass, r/o Village Sanarsa, Tchsil Rampur Bsr. H. P.

Whereas in the above noted suit, it has been proved to the satisfaction of this court that the defendant above named are evading the service of the summons and they cannot be served in the normal course of service.

Hence, this proclamation is hereby issued against you to appear in this court on 15-7-1987 at 10 A. M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the suit failing which an exparte proceeding will be taken against you.

Given under my hand and the seal of the court today the 16th June, 1987.

Seal.

P. C. SHARMA, Sub-Judge 1st Class, Rampur Bushahr, Distt. Shimla, H. P.

In the Court of Shri R. L. Sharma, Additional District Judge, Solan and Sirmaur districts at Nahan, H. P.

Petition No. 15-N/2 of 1987.

1. Smt. Tarawati wd/o Shri Phool Chand aon of Shri Narata Ram, r/o Village Taruwala, Tehsil Paonta, District Sirmaur, H. P. and others ... Petitioners.

Versu

General public

.. Respondents,

Application Under section 372 of Indian Succession Act for the grant of Succession Certificate.

To

The general public.

Whereas in the above noted case the petitioners have moved an application for obtaining Succession Certificate under section 372 of Indian Succession Act, in respect of the amounts deposited in the State Bank of India, Branch Taruwala, Tebsil Paonta in the name of late Shri Phool Chand son of Shri Narata Ram, r/o Village Taruwala, Tehsil Paonta who died on 28-6-1986 at village Taruwala, Tehsil Paonta

Notice is hereby given to the general public, kinsmen, relation and other interested persons to file objections, if any, to the grant of such Succession Certificate to the above named petitioners, before this court on obfore 17-7-1987 at 10 A. M. at Nahan, failing which the application shall be heard and decided ex parte.

Given under my hand and seal of the court this 20th day of June, 1987.

Seal.

R. L. SHARMA, Addl. District Judge at Nahan, II.P.

भदालत श्री मीता राम शर्मा, सहायक समाहतां/तहसीलदार, कांगड़ा

ब मुकहमा तस्त्रीक इन्तकाल तस्बर 406 तबदील मलक्षियते जैर धारा 104 (3) भू-मुधार मधिनियम, 1972

कजीर पुत्र जफ्, पुत्र गुरदयाल, निवासी झीहलड़ी, मोबा हटवास, जिलाकागडा

बनाम

बेद नाथ, जबूबंग, रयपत, हरबंस धुत्रान गोपाल दास, निवासी बड़सर, जिला हमीरपुर

हरगाह मुक्तर्मा बाला में प्रत्याशीगण बेद नाथ प्रादि को इस इश्लंहार इसि सुबित किया जाता है कि इन्तकाल नावनं 406 तबदील मश्लेक्यत बात पूसि खाता नम्बर 159 मिन, खतीबी नम्बर 399, क्षमण नम्बर्का 326, किला 1, तादाशी 0-01-12 बनाम अणीर महाल बीहतन्त्री दर्जा है यदि उन्हें इस इन्तकाल के फैसला बारे कोई एतराज हो तो बहु धसालतन ब बकालवन तिथि 18-7-87 को इस प्रयालत में हाजर हो कर कर सकता है । बसूरत दीगर यक तरफा कार्रवाई धमल में नाई वा कर फैसला इन्तकाल बक्क प्रायी कर दिया बादेगा।

माज दिनांक 6-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर भ्रदानत से जारी हुमा।

मोहर ।

सीता राम गर्मा, नहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, तहसील कांग्डा।

व भदासत श्री मीता राम गर्मा, सहाय 6 समाहर्ता/तहसीलदार, कागड़ा

व मुकद्दमा तसदीक इन्ताराल नम्बर ४०२ तबदील मलकियन जेर धारा 104 (3) भ-संघार प्रधिनियम, 1972

जगतू पुत्र खजाना पुत्र पीजा, वासी स्रोहलड़ी, मौजा हटवाम, जिला पूर्महा

बना

बेद नाच, जदूबंश, रचपत, हरबंस पुतान गोपाल दास, निवासी बड़सर जिला हमीरपुर

हरनाह मुक्ट्या बाला में आत्याशीनण बंद नाथ धार्यि को इस इस्तहार हारा मुक्ति किया जाता है कि इस्तकाल नबाद 402 तबदील स्तिक्यत बावत धाँम खाता नम्बर 159 मिन, खतीनी नम्बर 395, बागा नम्बर 725 माजम 0-24-14 बनाम जगत महाल मीहनही दर्ज है। यदि उन्हें इस इन्तकाल के फैसला बारे कोई एतराज हो तो वह समानतन बवकालतन तिथि 18-7-87 को इस प्रदालत में हाजर हो कर कर सकता है। बसूरत दीवर यक तरफा कार्रवाई धामन सं लाई जा कर फैसला इन्तकाम बक्क प्राची जगत कर दिया आहेगा। कांगडा ।

भ्राज दिनांक 6-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर घटानत । जारी हुमा ।

मोहर ।

मीता राम शर्मा, सहायक संशाहर्ता, प्रथम श्रेणी, व वर्षान्त श्री मीता राम गर्मा, महायक मगहता/तहसीन्दरार, कागहा
 व मुकड्मा तस्त्रीक इल्लेकाल तम्बर ४०४ तबसील मलकियन जेर , धारा 104 (3) भु-नृवार मार्थान्यम, 1972

, थारा 104 (3) भू-मुखार प्राथानयम, 1972 जीन गत काहन पुत्र वह निवासी प्रीहलकी, मौजा हटवास, जिसा

ब धदालत श्री सीता राम भर्गा, महायक समाहर्ता/तहसीलबार, कांगडा

व मुकद्दमा तस्तीक इन्तकाल नम्बर 265 तबदील मलकियत जेर धारा १०४ (३) भू-मुधार घधिनियम, 1972

पंज पुत्र मोहणू, निवासी सुनेहर, तहसील व जिला कामडा।

बनाम

हंस राज, धननांश चन्द, हेम राज, कुलदीए चन्द पुतान बसन्त राम, सुरेन्द्र सुवार पुत्र हरबंस लाम, निवासी धर्मशाला, जिला कांगड़ा ।

हुरगाह मुकहमा बाला में प्रश्वाचीनच हुंग राज भावि को इस इस्तहार द्वारा सुचित किया जाता है कि इन्तकाल तस्वर 265 तबदील मलकियत बावत सूम खाता नस्वर 2¹7 मिन, खतीनी तस्वर 44, खलग लम्बरात 1229 - 1302 1332-1334, किसा 4 बनाम पंज महाल मुनेहुक दर्ज है, यदि उन्हें इस इन्तकाल के फीला बारे कोई एतराज हो तो वह अमालतन व बकालतन तिथि 18-7-87 को इस मदालन में हाजरहों कर कर सकता है। बसूरत दीगर यक तरका कार्रवाई धमन में लाई जा कर फीसना इन्तकाल बसूरत दीगर यक तरका कार्रवाई धमन में लाई जा कर फीसना इन्तकाल बहुक प्रामी पंजू कर दिया जावेगा।

ग्राज दिलांक 6-6-87 को मेरे हस्लाक्षर व मोहर प्रदालत सं जारीहवा।

मोहर।

मीता राम कर्मा, महायक समाहर्ताप्रथम श्रेणी, कागका।

व मदालत थी सीता राम् नर्मा, सङ्गायक ममाहर्ना/तहसीलदार, कांगडा

ब मकहमा तस्वीक इस्तकाल नम्बर 232 तबदोल मलकियन जेर धारा 104 (3) भू-मुखार मधिनियम, 1972

श्री महलू पुत्र मालू पुत्र शिनक, निवासी अपनीर, नहवील व अपना कांगड़ा

बनाम

सर्वश्रीमतो लयं। प्रच्छी, स्वास्तादेवी, सत्यादंवी पृत्नी किरपा, शंकरो देवी, पृत्नी दुर्गी, राजन लाल, रूकी राम, भोनी राम पृत्न ससदी, स्लया, क्सी वमाक पृत्न घोषी, श्रीयती कूला देवी पत्नी ऊद्यो राम, साकन बसीर तक्क्षील कारवा।

हरगाह मुकद्दमा बाला में प्रश्वाशीय श्रीमती लक्को सादि को इस इवतहार डाग मृषित किया जाता है कि इन्तकाल नम्बर 232 गवदील मल्लिश्नेत वंशत श्रीम खाता नम्बर 127 मिन, खनीनी नम्बर 238, लमल्लिश्नेत वंशत श्रीम खाता नम्बर 127 मिन, खनीनी नम्बर 238, लमल्लिश्नेत वंशत र इस उस वंशत महल्ल पूज मान, महाल, जसीर वर्ज है। यदि उन्हें इस इन्तकाल के फैसला बारे कोई एनराज हो तो वह प्रशासतक या कामलतन तिथि 18-7-87 मो इस प्रदासत में हाजिर हो कर कर सकता है। बसूरत दोगर यकतरफा कार्रवाई प्रमान में लाई जा कर फैसला इन्तकाल बहक प्राची महल्ल कर दिया जावेगा।

भाज दिनांक 6-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर भ्रदालत से जारी हुआ। बनाम

बेद नाथ, यद्बंध, रथ्पत, हरवंस पुत्रान गोपास दास, निवासी बंधसर, जिला हमीरपर

हरणाह मुक्दमा उनकान बाजा में प्रधाकीरण बेद नाम मादि को इस इल्हाहर द्वारा मुनित किया जाना है कि इस्तराण नम्बर 404 नदशेश स्मितियत बावन भूमि खाला नम्बर 159 मिन, स्मिती हम्बर 397, समरा नम्बर 329 मानम 0-00-86 बनाम नीस, महाल मोहनाई। नमें है । यदि उन्हें इस इस्तकाल के फैसला बार कोई एनराज हो हो बहु मानानतन या कानानतन निषि 18-7-87 को इस पदानन में हाजर है। कर कर समना है। बसूरन दीगर यक नरफा कार्रवाई माना माहि तो कर फैसला इसकान बहुक प्रार्थों नीक कर दिया जायेगा।

माज दिनाक 6-6-87 को मेरे हरनाआरा व मंहिर प्रदालन से जारीहुआ ।

मोहर ।

र्माता राम सर्माः नहायक समाहती प्रथम श्रेणीः, कागकाः

व कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, शोरंज, जिला हमीरपुर

ओगिन्द्र चन्द बनाम

माम जनता।

उनकार:—प्राचना-पक्ष बराये पंजीकृत किये जाले बसीयत नामा सुतवकी थी जयशायाल पुत्र शंकर दास, गांव सन्त्रीं, नप्पा मेवा, बहसील भोरज, जिला हमीरपुर, हि0 प्राप्त ।

और धारा 40/41 इण्डियन रजिस्ट्रेशन एक्ट. 1908

नोटिस बनाम - प्राम जनता

उपयुंकत उनवान बानाके बारे में भी प्रांगिद्र कर पूज उपयुंकत मृतवसी ने प्रापंता-पक्ष पेश किया है कि उसके पिता जयमंत्रान मृतवकी ने वसीयन नामा दिनाका 17-5-1987 को नहरीर करनाया था उसे पंजीहर किया जाते । इसलिए इस इरनहार द्वारा धान जनता को सूचित किया जाता है कि समर कियी स्थक्ति को इस वसीयन के पंजीहत होने में एतराज हो तो वह हमारे न्यायालय हुजा में दिशक 20-7-87 को प्रारा 10 वर्ग हाजिर मारू पंजाकर रेग करें। मन्यमा वसीयन नामा पंजीहर कर दिया जायेगा।

भाज दिनाक 8-6-87 को मेरे दस्तकत व मोहर रायांचय में जारी हुआ।।

मोहर ।

हम्ताक्षरितः'-सब-रजिस्ट्रार भौरेज, हमीरपुर ।

कायंत्रय सब-रिकरदार, भोरंज, जिला हमीरपुर

करतार मिंह

बनाम

भाम जनता।

उनवान: — प्रार्थना-पक्ष बराए पत्रीकृत किये जाने बसीयत नामा मृतवः। श्री रणजीन सिंह पुत्र क्यांली राम गांव टिकरी मनहमा, तथा मेवा,

तहसील भोरंत्र, जिला हमीरपुर, हिं0 प्र0 ।

जेर धारा 40/41 इण्डियन रजिस्ट्रेशन ऐस्ट, 1908।

मोहर ।

भीता राम गर्मा, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी. कांगड़ा।

र्मा, नोटिस बनामः माम जनता।

उपयुक्तं उनवान बाला के बारे में श्री करतार सिंह पुत्र मृतवफी

उपरोक्त ने प्रार्थना पक्ष पेण किया है कि उसके पिता ने दिनांक 11-5-1987 को वसीयत नामा तहरीर करवाया वा उसे पंजीकत किया बावे। इसनिए ग्रगर किसी व्यक्ति को इस बसायत नामा के तहरीर होते में कोई एतराज हो तो वह हमारे त्यागलय हजा ये असालनन या वकालतन दिनाक 21-7-1987 को प्रात: 10 वर्जे हाजिर प्राकर पेश कर सकते हैं। धन्यया सकतरका कायवाही धनल में लाई नावेगी।

खाज दिनाक 4-6-1937 को मेरे दण्नखन व मोहर काः√निय से जारी हमा।

मोहर ।

व्यवाधारितः-सब-रजिस्टार भोरंज.

हमोरपुर । बम्रदान्त श्री डी । मार । की खन, सब-रजिस्ट्रार देहरा, जिला कांगड़ा

1. चेत राम, पूज, 2. कुबजा देवी विक्या, 3. दिवान कुमारी पूजी श्री भूक राम, बासी हिरन, मौजा कोहाला, तहसील देहरा, जिला , प्राथींगण। कार्यस् हिं प्रश

बना म राम प्यारी पूजो, 2. कश्मीर सिंह पूज भूरू राम, 3. पाम जनता. वासी हिरन, मौजा कोहाता, नहसील देहरा, जिला कोगड़ा

प्रमानधनयम् । विषय: -- दरवदास्त बराए रजिस्टर करने बसीयत जेर धारा 40/41 इण्डियन रजिस्ट्रेणन एक्ट मिनजानन भूक राम पूत्र फिन्दर, बामी हिरन तहसील देहरा, जिला कांगडा ।

प्रार्थींगण चेत राम बादि उपगेक्त ने दरहवास्त पेश की है उनका पिता व मुमार नं 0 2 का पति ने उनके नाम वसीयत जबानी की है। वह कीत हो चुका है भन वसीयत रिजस्टर की जावे। शतः उपरोक्त मसुलग्रलयम व सर्व जनता को सचिन किया जाता है कि यदि किया को वसीयत के रजिस्टर होते में कोई एतराज हो तो वह प्रसालतन या बकालतन इस कार्यालय में दिनांक 22-7-1987 की प्रात: 10 बने हानिर पावे प्रत्यवा कार्यवाही महक्तमाना प्रमल में लाई

मान दिनांक 18, माह जन, 1987 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर भ्रदालत कं जारी हुआ।

मोहर ।

हो 9 सार 0 कौण्डल. सब-रजिस्टार. देहरा, जिला कांगडा । In the Court of Shri J. L. Chauban, Sub-Judge 1st Class Rohru. District Shimla, Himachal Pradesh

PROCLAMATION UNDER ORDER 5 RULE 20. C P.C.

Case No. 109/1 of 1987

SUCCESSION ACT

1. Smt. Sampati w/o Shri Gopi Chand 2. Smt. Asrupi w/o Shri Moti Lal both r/o Rohal Tehsil Chirgaon, District Shimla, H. P. Plaintiff/Petitioner .. Plaintiff/Petitioner.

versus

General public.

To

The general Public.

Whereas the above named petitioner have filed an whereas the above named petitioner have mean application in this court under section 372 of the Indian Succession Act for the grant of Succession Certificate in respect of the assests of late Shri Sudershan aliaz Darshan Dass s/o Shri An Dass, r/o villig: Rohal, Tehsil Chirgaon, District Shimla, H. P., who died on 12-1-1987.

Hence this proclamation is hereby issued to the general public of the illaqua and the kins of the deceased to file objections, if any, to the grant of such succession certificate in this court on 30-7-87 at 10.00 A.M. personally or through pleader or any other authorised agent failing which the petition will be heard and disposed of ex parte.

Given under my hand and the seal of the Court today on the 18th day of June, 1987.

Scal.

J. L. CHAUHAN. Sub-Judge Ist Class, Rohru. District Shimla, H.P.

भाग 6--भारतीय राजपत्र इत्यावि में से पन : प्रकाशन

भाग 7--भारतीय निर्वाचन प्रायोग (Election Commission of India) की वैद्यानिक अधिसचनाएं निर्वाचन सम्बन्धी अधिसुषनाएं शन्य

> धनपरक शन्म भाग.[

निर्वाचन विभाग

धधिसचनाएं

शिमना-171002, 22 जून, 1987

संख्या 4 11/86-ई0एल 0 एन 0. → बैसाकि नगरपालिका नरवर के बार्ड नं0 3 मे श्री नंती र म मुपुत श्री ब्हडू राम के निर्वाचन को श्री धर्मपान स्पुत श्री लाल चन्द्र, निवासी वाड ने 0 3 नगरपालिका नूरपुर, जिला कांगड़ा, ने निर्वाचन याचिका द्वारा चुनौती दी थी तया इस विभाग की श्रविसूचना संख्या 4-2/75-इनैक-र्री, दिनांक 23 घगरत, 1986 द्वारा कथित निर्वाचन याचिका में लगाये गये धारीमों की जांच के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कांगडा तथा चम्बा) धर्मशाला की मायोग नियुक्त किया था ;

भीर बैमाकि आयोग ने भवनी रिपोर्ट दिनांक 31 मार्च, 1987/ 4 मंत्रैल, 1987 द्वारा भी जैशीराय को उक्त नगरपालिका के निर्वाचन के दौरान भ्रष्ट बाचरण करने के लिये दोयी ठहराया है;

धतः धव, हिमाचल प्रदेश नगरपानिका (निर्वाचन) नियम. 1970 के नियम 101 का प्रनुमरण करने हुवे, राज्यपाल महोदव, हिमाचल प्रदेश, श्री जैंगी राम सुपूत्र श्री चुहड़ राम को नगरपालिका के निर्वाचन लड़ने के लिये इस प्रधिनवना के जारी हाने की तिथि से दीन वर्ष की धवधि के लिये भयाच्य बोवित करते हैं।

शिमला-171002, 22 जुन, 1987

संख्या 4-11/86-ई0 एन 0 एन 0 :-- जैसाकि नगरपालिका नरपूर के बाढ़ें न 0 3 से भी जैशी राम सुपूज भी चुहचू राम के निवासन को श्री धर्मपाल मुपुत श्री नेत्र चन्द, निर्वाक्षी बाढं नं 0 3, नगरपालिका नृरपुर, जिला कांगडा, ने निर्वाचन पाचिका द्वारा जुनौती दी यी तथा इस विमाग की प्रधिसुचना सक्या 4-2/75 इलैक-[[दिनांक 23 ग्रगस्त. 1986 होरा कथित निर्वाचन याचिका में लगाये गये धारोपों की जांच के लिये जिला एवं मुख न्यायाधीश (कांगडा तथा जम्बा) धर्मशाला को प्रायोग नियक्त कियाच्या ,

भीर जैसाकि बायोग ने बपनो त्यिट दिनांक 31 मार्च. 1987 में यह निष्कर्ष दिया है हि उक्त निर्वाचन याचिका में लगाये गये चारोप सित्व हो गये हैं।

श्रत: श्रव, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका श्राधनियम, 1968 की बारा 270 के ब्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते राज्यपाल महोदय, हिमाचल प्रदेश, ब्रायोग द्वारा दी गई जांच रिपोर्ट स्वीकार करते हैं और सहपं ब्रादेश बेते हैं कि श्री जेशी राम का नगरपालिका नृरपूर के बाई नं0 3 से निवायन प्रवैद्य चौबित किया जाता है तथा बादी भी धर्मपाल को 250/-वपये याचिका का खर्चा प्रतिवादी श्री जैसी राम द्वारा प्रदा किया जाएगा ।

शान्त कुमार चौहान,

सचिव ।

सिचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग

श्रधिम् जना

जिमला-2, 29 स**प्रै**ल, 1987

संख्या सिचाई 11-32/85-चम्बा .--- यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपान को यह प्रतीत होता है कि सरकारी अध्य पर सावंत्रिक प्रयोजन नामतः ग्राम कुई, नहसील भरियात, जिला चम्बा में बाटर मप्लाई स्क्रीम हांथी धार के लिमांच के लिए पूर्विम नी जानी मपेक्षित है। स्वराप्त तरदृहारा यह पोचित किया जाता है कि निम्मांचित विस्तृति (विस्प्राप्त) में बंचित भिन्न उपवित्त के लिए प्रपेक्षित है।

2. भूमि भ्रजंत अधितियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह चांचणा की जाती है और उक्क अधितियम की घारा 7 के उपबन्धों के अधीन भूमि भ्रजंत समाहती, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, चम्बा की एतद्वारा उक्त भूमि के भ्रजंत के लिए भावेश लेंगे का निदेश दिया जाता है।

 मृति का खाका मून्धर्वन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, यम्बा, हिमायल प्रदेश के कार्यानय में निरीक्षण किया असकता है।

विस्तत विवरणी

म्बर	तहसील: भटियात				
			श्रेव	-	
	नामरा सं0	बीठ	बि 0	बिम्बा 0	
	2	3	4	5	
	40/1	0	1	0	
किना	1	0	1	0	
	किना	खमरा सं0 2 40/1	चमरा सं 0 बी o 2 3 40/1 0	केंद्र समरा सं0 बीo विo 2 3 4 40/1 0 1	

भादेश द्वारा, भाग कु0 सहोपाब, सचिव । Portush D. A ASA

नियन्त्रक, मृद्रण तथा नेवान नामग्री, हिमाचन प्रदेश, जिमला-८ द्वारा मृद्रित नमा प्रकालित ।